लक्ष्मी सीड्स

अधिक उत्पादन हेतु सुझाव

लक्ष्मी सीड्स

रिसर्च मूंग किस्में

यश गोल्ड विनर गोल्ड अनमोल

खेत की तैयारी एवं भूमि का प्रकार

सभी प्रकार की मिट्टी में बुवाई कर सकते है, बलुआ व दोमट भूमि जिसका पी.एच. मान 7.0 से 7.5 हो, हसके लिए उत्तम है। खेत में जल निकास उत्तम होना चाहिए। अच्छी समतल और खरपतवार मुक्त भूमि होनी चाहिए, गहरी जुताई करें ।

बुवाई का समय

जायद (ग्रीष्मकालीन) में 5 फरवरी से 5 अप्रेल, खरीफ में जून से जुलाई (अगेती बिजाई में उत्पादन अधिक आता है।)

बीज की मात्रा

जायद (ग्रीष्मकालीन) में 15-18 कि.ग्रा. प्रति एकड़, खरीफ में 8-10 कि.ग्रा. प्रति एकड़।

बीज उपचार व बिजाई

यह बीज उपचारित होता है, फंगसनाशी व राइजोबियम कल्चर से आप उपचार कर सकते है। जायद (ग्रीष्मकालीन) में पौधे से पौधे की दूरी 15 से.मी. व कतार से कतार की दूरी 5 से.मी. व खरीफ फसल के लिए पौधे से पौधे की दूरी 5 से.मी. व कतार से कतार की दूरी 30 से.मी.।

खाद व उरर्वक की मात्रा

मूँग की खेती में अच्छे उत्पादन के लिए बुवाई से पूर्व खेत तैयार करते समय अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद 3-4 ट्रॉली प्रति एकड़ की दर से मिट्टी में मिला देना चाहिए। रासायनिक खाद में डी.ए.पी. 30 कि.ग्रा. म्युरेट ऑफ पोटाश 20 कि.ग्रा. व युरिया 30 कि.ग्रा. प्रति एकड़। (खाद एवं उर्वरकों के प्रयोग से पहले मिटटी की जाँच कर लेनी चाहिए ।

सिंचाई

जायद (ग्रीष्मकालीन) में औसतन 3-4 सिंचाई, खरीफ में 2 सिंचाई फसल पकने के 15 दिन पूर्व सिंचाई बंद कर देना चाहिए। वर्षा के मौसम में अधिक वर्षा होने पर अथवा खेत में पानी का भराव होने पर फालतू पानी को खेत से निकालते रहना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

अधिक उत्पादन के लिए समय पर खरपतवार नियंत्रण बहुत जरूरी है।

कटाई

मूँग की फलियां जब काली पड़ने लगे तथा सुख जाये तो फसल की कटाई कर लेनी चाहिए। इसकी किस्म की फलियां चटकती / गिरती नहीं है, इसलिए एक साथ कटाई कर सकते है।

टिप्पणी

नोट- ऊपर दी गयी सलाह हमारे अनुभव, फील्ड ट्रायल एवं अनुसंधान केन्द्रों पर किये गये प्रयोगों पर आधारित है। लेकिन प्राकृतिक कारण जैसे जलवायु, भूमि का प्रकार एवं कृषि पतियों के कारण उपरोक्त जानकारी में अन्तर हो सकता है। बीज की गुणवत्ता के अलावा हम किसी तरह की गारन्टी नहीं ले सकते। क्योंकि अन्य परिस्थितियाँ हमारे नियंत्रण से बाहर है। ऊपर दी गई जानकारी किसान भाईयों की समृद्धि और सफलता के लिए है।